दीपावली पर देशभर में अब तक 6 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार : कैट

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दीपावाली से पहले धनतेरस पर देशभर के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर मोबाइल, टीवी, कपड़े, मिठाइयां और सजावट के सामान की खूब बिक्री हुई। इस बार दिल्ली में कारोबार एक लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर गया। देशभर में दीपावली से जुड़ा कारोबार 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है।



कारोबारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को एक बयान में अनुमान जताया कि दीपावली पर खरीदारी का यह आंकड़ा बढ़कर 7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। कैट ने दिल्ली के व्यापारियों ने कहा कि दिल्ली की जनता ने इस बार दीपावली की खरीदारी में जिस उत्साह, विश्वास और बड़ी संख्या में बाजारों में पहुंचकर भागीदारी की है वह दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में उमड़कर न केवल व्यापारियों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी है, बल्कि राहुल गांधी की एक नवंबर की रैली तथा पिछले एक महीने से दिल्ली में चल रहे धरनों, प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण व्यापार को हुए भारी नुकसान के बीच एक सकारात्मक और प्रभावशाली संदेश भी दिया है। खंडेलवाल ने कहा कि धन्यवाद दिल्ली केवल एक नारा नहीं, बल्कि दिल्ली के करोड़ों व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, दिहाड़ी मजदूरों और छोटे उद्यमियों की ओर से दिल्ली की जनता के प्रति कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में पहुंचकर यह साबित कर दिया है कि वे त्योहारों की खुशियों, आर्थिक गतिविधियों और व्यापारिक जीवन को किसी भी राजनीतिक व्यवधान के कारण रुकने नहीं देना चाहते।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अन्य आंदोलनकारियों को दिल्ली की जनता ने अपने व्यवहार और बाजारों में की गई जबरदस्त खरीदारी से करारा जवाब दिया है। लोकतंत्र में विरोध और प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों की आवाजाही, व्यापारियों की आजीविका और लाखों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। दिल्ली की जनता ने इस दिवाली पर व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के पक्ष में अपनी स्पष्ट भावना व्यक्त की है। खंडेलवाल ने बताया कि अब तक दिल्ली में दिवाली का कुल व्यापार एक लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुका है, जबकि देशभर में दीपावली से संबंधित कारोबार 6 लाख करोड़ रुपए रुपए से अधिक हो गया है।

बाजारों में ग्राहकों की लगातार बढ़ती भीड़ और खरीदारी के उत्साह को देखते हुए यह आंकड़ा 7 लाख करोड़ रुपए के कारोबार को पार करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार बाजारों में एक विशेष परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्राहक भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और स्वदेशी अपनाने के आह्वान का व्यापक प्रभाव बाजारों में दिखाई दे रहा है। भारतीय कारीगरों, निर्माताओं, छोटे उद्योगों और स्थानीय उद्यमियों के उत्पादों को ग्राहकों का भरपूर समर्थन मिल रहा कैट ने कहा कि दिवाली के इस बड़े व्यापार से छोटे और मझोले व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले, दिहाड़ी मजदूर, लघु एवं कुटीर उद्योग, स्वयं सहायता समूह, महिला उद्यमी, कारीगर, परिवहन व्यवसायी, पैकेजिंग उद्योग, लॉजिस्टिक्स, डिलीवरी सेवाएं और घरेलू उत्पादन से जुड़े लाखों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

बीएसएनएल की 9000 करोड़ की संपत्ति बेचेगी सरकार

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। कर्ज के बोझ से जूझ रही सरकारी दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल की 9,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां सरकार अगले वित्त वर्ष 2027-28 में बेचेगी। इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कंपनियों का कर्ज चुकाने में किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस योजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है। दूरसंचार और डाक विभाग के सरकारी उपक्रमों पर करीब 50,000 करोड़ रुपए की देनदारी है। इसमें लगभग 30,000 करोड़ रुपए के सरकारी गारंटी वाले बॉन्ड भी शामिल हैं।

इन देनदारियों को चुकाने के लिए सरकार ने हर साल 4,000 से 5,000 करोड़ रुपए की संपत्तियों से आय जुटाने की योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार, पहले डाक विभाग, दूरसंचार विभाग, बीएसएनएल और एमटीएनएल की संपत्तियों के मालिकाना हक को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। पिछले दो वर्षों में इस समस्या को सुलझाया गया है। करीब 862 संपत्तियों के मामलों का निपटारा इस आधार पर हुआ कि हर विभाग अपनी संपत्ति अपने पास रखेगा।

कर्नाटक ई-20 विवाद

केंद्र ने ज्यादा इथेनॉल मिलावट के दावे को किया खारिज, जांच के तरीके पर उठाए सवाल

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कर्नाटक के कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा इथेनॉल मिलाने के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। केंद्र ने राज्य द्वारा अपनाई गई सैंपलिंग और जांच की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए और कहा कि देशव्यापी गुणवत्ता निगरानी के तहत राज्य में जांचे गए सभी 56 सैंपल तय ई-20 मानकों पर खरे उतरे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के अनुसार देशभर के 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पेट्रोल पंपों से लिए गए कुल 893 ई-20 पेट्रोल के नमूने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के आईएस 17021 गुणवत्ता मानकों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं। मंत्रालय ने कहा कि कर्नाटक सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा जारी बयान पर संज्ञान लिया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य के कुछ खुदरा केंद्रों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 26 फीसदी से



31 फीसदी तक इथेनॉल है। इस संबंध में सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने स्पष्ट किया है कि ये दावे, जैसा कि बताए गए हैं, निर्धारित कानूनी और तकनीकी प्रक्रियाओं के अनुसार की गई जांच से मेल नहीं खाते।

मंत्रालय ने कहा कि कर्नाटक सहित पूरे देश में इन तीनों तेल विपणन कंपनियों द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला ई-20 पेट्रोल, 'भारतीय मानक ब्यूरो' (बीआईएस) के इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन संबंधी मानक 'आईएस 17021' के अनुरूप है। उन्होंने अक्टूबर 2026 की कवायद के लिए अपनाई गई सैंपलिंग (नमूना) प्रक्रिया और परीक्षण पद्धति को लेकर भी चिंताएं जताई हैं। मंत्रालय ने कहा कि 'मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (आपूर्ति, वितरण का विनियमन और कदाचार की रोकथाम) आदेश, 2005' है, जिसे 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955' के तहत जारी किया गया है। साथ ही 'विपणन अनुशासन दिशा-निर्देश (एमडीजी) 2024' में सैंपलिंग, नमूनों को सुरक्षित रखने, परीक्षण और परिणामों की जानकारी देने के लिए एक तय प्रक्रिया बताई गई है। मंत्रालय ने बताया कि ओएमसी द्वारा किए गए एक प्रारंभिक तकनीकी मूल्यांकन में प्रमाणपत्रों में उल्लिखित इथेनॉल परीक्षण पद्धति को लेकर भी चिंताएं जताई गई हैं।

आईएस 17021:2018 (संशोधन संख्या 3, अगस्त 2025) के तहत ई20 ईंधन में इथेनॉल की मात्रा का निर्धारण निर्धारित तरीकों से किया जाना आवश्यक है। इन तरीकों में एएसटीएम डी5845 के अंतर्गत 'फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी' (एफटीआईआर), 'एनेक्स सी' के अंतर्गत 'वॉटर एक्सट्रैक्शन', या एएसटीएम डी4815/डी6839 के अंतर्गत 'गैस क्रोमैटोग्राफी' शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत 'सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी' (सीएचटी) लगातार ओएमसी के रिटेल आउटलेट्स पर इथेनॉल मिश्रण और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी कर रहा है। ओएमसी/सीएचटी क्वालिटी कोऑर्डिनेशन सेल (क्यूसीसी) की कवायद के तहत, 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आईओसीएल (330), बीपीसीएल (280) और एचपीसीएल (283) के डिपो और रिटेल आउटलेट्स से ई20 ईंधन के 893 नमूने लिए गए। इन नमूनों की जांच रिफाइनरी और ओएमसी की गुणवत्ता-नियंत्रण प्रयोगशालाओं में आईएस 17021, एनेक्स सी के अनुसार इथेनॉल की मात्रा के लिए की गई। सभी 893 नमूनों में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 19-21 फीसदी की सीमा के भीतर पाई गई। ओएमसी रिफाइनरियों और डिपो में इथेनॉल मिश्रण का काम स्थापित, कैलिब्रेटेड और नियंत्रित प्रणालियों के माध्यम से किया जाता है। इस प्रक्रिया में रिफाइनरी और डिपो स्तर पर स्वचालित कैलिब्रेशन और अनुपात तय करने की व्यवस्था होती है, जहां मिश्रित करने का काम तय मानकों और गुणवत्ता-नियंत्रण प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाता है। यह पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की कोई मैनुअल या मनमानी प्रक्रिया नहीं है। उपभोक्ताओं को सालाना लगभग 62,000 करोड़ रुपए का माइलेज नुकसान होने और वाहनों की मरम्मत पर लगभग 39,000 करोड़ रुपए खर्च होने के दावों (जो कुल मिलाकर करीब 1.01 लाख करोड़ रुपए बैठते हैं) की स्थापित तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए।

1.33 लाख से बढ़कर 1.46 लाख रुपए तक पहुंचा सोना



महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सोने की कीमत इस साल बेशक उतार-चढ़ाव वाली रही हो, लेकिन इसने निवेशकों को बहुत ज्यादा निराश नहीं किया है। इस साल जनवरी में सोने की कीमत ऑल टाइम हाई (करीब 1.76 लाख रुपए) पर पहुंच गई थी। इसके बाद इसमें बड़ी गिरावट आई। इसके बाद भी सोने ने इस साल 1 जनवरी से लेकर अब तक निवेशकों को करीब 10 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। हाल ही में सोने की कीमत बढ़ने से इसके रिटर्न में तेजी आई है। एमसीएक्स के आंकड़ों के मुताबिक 1 जनवरी 2026 को सोने की कीमत करीब 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 6 नवंबर यानी धनतेरस को इसकी कीमत बढ़कर करीब 1.42 लाख रुपए से कुछ ज्यादा हो गई। हालांकि धनतेरस से एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को सोने का भाव 1.46 लाख रुपए तक पहुंच गया था। यानी इस साल अब तक सोने ने करीब 10 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में भी इसकी कीमत करीब 3 फीसदी बढ़ी है। साल 2025 सोने के लिए शानदार रहा था। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत करीब 65 फीसदी बढ़ी थी। वहीं, धनतेरस से पहले के 30 दिनों में सोने के भाव में करीब 20 फीसदी की तेजी आई थी। हालांकि, 2026 में सोने का सफर ज्यादा उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इस साल 29 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 5,595 डॉलर प्रति औंस के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद इसमें तेज गिरावट आई। हाल की गिरावट के बावजूद जानकार लंबी अवधि में सोने को लेकर सकारात्मक हैं। उनका मानना है कि दुनिया के कई बड़े देशों पर कर्ज बढ़ रहा है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे सोने की मांग को सहारा मिल सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगले 12 महीनों में सोने की कीमत 29 फीसदी तक बढ़ सकती है।

त्योहारों पर खाद्य सुरक्षा: चावल और धान के भंडार पर केंद्र की कड़ी निगरानी

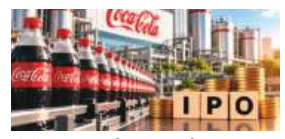
महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश में चावल और धान के भंडार पर अपनी निगरानी कड़ी कर दी है। इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में आपूर्ति को सुचारु बनाए रखना है। सरकार ने व्यापारियों, प्रसंस्करणकर्ताओं और मिल मालिकों को अपने पास मौजूद भंडार की घोषणा करने का निर्देश दिया है। इस कदम से बाजार में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, पांच दक्षिणी राज्यों को धान और चावल पर स्टॉक सीमा लगाने की अनुमति भी दी गई है। यह निर्णय इन राज्यों में आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करेगा। केंद्र ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार को अधिक चावल आवंटित किया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) भी एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। एफसीआई थोक उपयोगकर्ताओं को 50 लाख टन चावल ई-नीलामी के माध्यम से बेचेगा। यह पहले घोषित मात्रा का दोगुना है। इस बिक्री से बाजार में चावल की उपलब्धता बढ़ेगी।

कोका-कोला की भारतीय बॉटलिंग इकाई एचसीसीएच ला रही आईपीओ

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज सॉफ्ट ड्रिंक कंपनी कोका-कोला भारत में अपने बॉटलिंग कारोबार को शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी की होल्डिंग इकाई हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स लिमिटेड (एचसीसीएच) ने प्रस्तावित आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा कर दिया है। इस आईपीओ के तहत कंपनी के प्रमोटर हिंदुस्तान कोका-कोला ओवरसीज होल्डिंग्स



पीटीई लिमिटेड अपने 99.75 करोड़ तक इक्विटी शेयर बिक्री के लिए पेश करेंगे। प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपए रखी गई है। यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा। यानी आईपीओ से मिलने वाला पूरा पैसा कंपनी को नहीं, बल्कि शेयर बेचने वाले प्रमोटर को मिलेगा। फिलहाल एचसीसीएच में हिंदुस्तान कोका-कोला ओवरसीज होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड की 60 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, जुबिलेंट बेवरेजेज लिमिटेड के पास बाकी 40 फीसदी शेयर हैं। जुलाई 2025 में जुबिलेंट बेवरेजेज भीएचसीसीएच के प्रमोटरों में शामिल हुई थी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज भारत में कोका-कोला के सबसे बड़े बॉटलिंग पार्टनर्स में से एक है। कंपनी के पोर्टफोलियो में कोका-कोला, थम्स अप, स्प्राइट, फैंटा, लिम्का, मॉन्स्टर, श्वेप्स, किनले, माजा और मिनट मेड जैसे लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं। कोका-कोला का यह कदम उसकी वैश्विक कारोबारी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कंपनी धीरे-धीरे बॉटलिंग जैसे भारी निवेश वाले कारोबार से अपनी सीधी हिस्सेदारी कम करना चाहती है। इसके बजाय वह फ्रेंचाइजी आधारित और कम संपत्ति वाले बिजनेस मॉडल पर ज्यादा ध्यान दे रही है। इससे पहले द कोका-कोला कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर जॉन मर्फी ने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजों पर निवेशकों से बातचीत के दौरान कहा था कि कंपनी भारत में अपने बॉटलिंग कारोबार के संभावित आईपीओ पर विचार कर रही है।

रविवार को भी खुलेगा शेयर बाजार

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दीपावली 2026 के अवसर पर भारतीय स्टॉक मार्केट एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने परंपरा को कायम रखते हुए घोषणा की है कि 'मुहूर्त ट्रेडिंग' के लिए विशेष सत्र रविवार, 8 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। हर साल बीएसई, एनएसई और कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स दिवाली के मौके पर विशेष 'मुहूर्त ट्रेडिंग' सत्र आयोजित करते हैं। संवत 2083, यानी नए हिंदू वित्तीय वर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में, स्टॉक एक्सचेंज रविवार दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक विशेष दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेंगे। गौरतलब है कि मुहूर्त ट्रेडिंग को एक शुभ समय माना जाता है, जब शेयर बाजार का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाता है। रविवार का सत्र नए हिंदू वित्तीय वर्ष, यानी संवत 2083 की शुरुआत का प्रतीक होगा।

पंजाब नैशनल बैंक ……भरोसे का प्रतीक
punjab national bank …the name you can BANK upon!
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

एआरएमबी: पश्चिम दिल्ली, दूसरी मंजिल, विक्रांत टावर, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली – 110008
ईमेल– cs8334@pnb.bank.in

अचल सम्पत्तियों की ई–नीलामी हेतु बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस,

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर्स को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का सांकेतिक/वास्तविक कब्जा(नीचे वर्णित अनुसार), प्रतिभूत लेनदार पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा। बकाया राशि की वसूली, कर्जदार(रों) और गारंटर(रों), आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार

प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

क्र. सं.	शाखा का नाम / खाते का नाम / कर्जदार/गारंटर्स खाते का नाम एवं पता	क) सरफासी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना की तिथि ख) दिनांक के अनुसार बकाया राशि ग) सरफासी अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के अंतर्गत कब्जा की तिथि घ) कब्जा की स्थिति सांकेतिक/भौतिक/रचनात्मक	अचल बंधक सम्पत्तियों का विवरण / स्वामित्व का नाम (बंधक सम्पत्तियाँ)	आरक्षित मूल्य ईएमडी बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि एवं समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात एन्कम्ब्रेन्स का विवरण
1-	एआरएमबी पश्चिमी दिल्ली **मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड (अपने निदेशक/प्राधिकृत प्रतिनिधियों नामतः सुहैल सिंह, नम्रता भाटिया, परविंदर सिंह भाटिया के माध्यम से)** 2747/6, दूसरी मंजिल, चूना मंडी, पहाड़गंज, मध्य दिल्ली, दिल्ली – 110055 **इसके अलावाः** एफ–27(ए), रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान– 301019 **इसके अलावाः** जी1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान– 301019 **श्री सुहैल सिंह (निदेशक/गारंटर, मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड)** मकान नंबर 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034 **श्रीमती नम्रता भाटिया (निदेशक/गारंटर, मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड)** मकान नंबर 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034 **मैसर्स नीरा मेटल कंपनी अपनी प्रोपराइटर नामतः श्रीमती नम्रता भाटिया के माध्यम से (गारंटर/बंधककर्ता, मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड)** मकान नंबर 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034 **इसके अलावाः** जी1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान– 301019 **मैसर्स भाटिया ट्रेडिंग कंपनी अपने प्रोपराइटर नामतः श्री परविंदर सिंह भाटिया के माध्यम से (गारंटर/बंधककर्ता, मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड)** मकान नंबर 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034 **इसके अलावाः** एफ–27(ए), रीको औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान– 301019 **श्री परविंदर सिंह भाटिया (निदेशक/गारंटर, मैसर्स बेल डायमंड एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड)** मकान नंबर 99, संदेश विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034	क) **01.02.2025** ख) रु. **21,06,47,133.49/-** साथ ही आगे का ब्याज और शुल्क ग) **30.05.2025** घ) सांकेतिक क) **01.02.2025** ख) रु. **21,06,47,133.49/-** साथ ही आगे का ब्याज और शुल्क ग) **30.05.2025** घ) सांकेतिक क) **01.02.2025** ख) रु. **21,06,47,133.49/-** साथ ही आगे का ब्याज और शुल्क ग) **30.05.2025** घ) सांकेतिक	1. सम्पूर्ण प्रथम तल, बिना छत के , निर्मित स्वतंत्र स्वामित्व वाली संपत्ति संख्या 99, जिसका क्षेत्रफल 155.94 वर्ग मीटर (186.53 वर्ग गज) है, जो पब्लिक सेक्टर (P&T) कर्मचारी सेंट्रल को–ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड की लेआउट योजना में स्थित है, जिसे संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 के नाम से जाना जाता है, जिसमें साझा मार्ग एवं सीढ़ियां तथा नीचे स्थित भूमि में 33% अविभाजित हिस्सा भी शामिल है। उक्त संपत्ति श्री परविंदर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह के नाम पर पार्टिशन डीड संख्या 11588 दिनांक 01.08.2019 के माध्यम से है। **चौहद्दी : पूर्व : संपत्ति संख्या 100, पश्चिमः भूमि संपत्ति संख्या 98, उत्तरः 30 फीट चौड़ी सड़क दक्षिणः सर्विस लेन** 2. औद्योगिक भूखंड संख्या G1–127, रीको औद्योगिक क्षेत्र ।। – डी, खुशखेड़ा, अलवर, राजस्थान में, कुल क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर, जो बिक्री विलेख संख्या 202103111105213 दिनांक 25.10.2021 के तहत मैसर्स नीरा मेटल कंपनी (प्रोप्राइटर श्रीमती नम्रता भाटिया) के नाम पर दर्ज है। **चौहद्दीः– पूर्व : G1 – 126B, पश्चिमः G1 – 127, उत्तरः 24 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिणः G1 – 140, 141** 3. इंडस्ट्रियल प्लॉट नंबर एफ–27(ए), रीको इंडस्ट्रियल एरिया खुशखेड़ा, तहसील तिजारा, जिला अलवर, राजस्थान में स्थित, जिसका कुल क्षेत्रफल 1877 वर्ग मीटर है, जो कि मैसर्स भाटिया ट्रेडिंग कंपनी (प्रोपराइटर श्री परविंदर सिंह भाटिया के माध्यम से) के नाम पर दस्तावेज संख्या 201803111101647, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 526, पेज नंबर 47, दिनांक 12.04.2018 के तहत पंजीकृत है। **चौहद्दीः पूर्व : 18 मीटर चौड़ी सड़क, पश्चिमः SP30A, उत्तरः F27, दक्षिणः F28**	रू. **3.24** करोड़ रू. **32,40,000/-** रू. **2.00** लाख रू. **3.08** करोड़ रू. **30,80,000/-** रू. **2.00** लाख रू. **4.89** करोड़ रू. **48,90,000/-** रू. **2.00** लाख	**26.11.2026** पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 04.00 बजे	उधारकर्ता ने डीआरटी–2, दिल्ली में एक एसए नंबर 109/2026 दायर किया था।

ई–नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। 1. नीलामी बिक्री "ई–नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी। (2) ई–नीलामी के लिए प्लेटफॉर्म (**https://baanknet.com**) ई–नीलामी सेवा प्रदाता मेसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय यूनिट 1, तीसरी मंजिल, VIOS कमर्शियल टॉवर, वडाला ट्रक टर्मिनल के पास, वडी ईस्ट मुंबई–400037 (हेल्पडेस्क नं. 91 8291220220, ईमेल आईडी: **support.baanknet@baanknet.com**) द्वारा प्रदान किया जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को ई–नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाइट **https://baanknet.com** पर ई–नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना आवश्यक है। यह सेवा प्रदाता पोर्टल पर ई–नीलामी पर ऑनलाइन प्रदर्शन/प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। (3) बिक्री की सामान्य शर्तों और नियमों से युक्त बिक्री नोटिस निम्नलिखित वेबसाइटों/वेब पेज पोर्टल **(1) https://baanknet.com (2) www.pnbindia.in** पर उपलब्ध/प्रकाशित है। (4) सफल बोलीदाता द्वारा बैंक को बिक्री प्रतिफल का भुगतान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 194–1ए के अंतर्गत टीडीएस के अधीन होगा तथा सफल बोलीदाता द्वारा बोली राशि का शेष 75% जमा करने/बोली राशि की पूर्ण जमा करने के समय ही टीडीएस का भुगतान किया जाना है। (5) संपत्तियों को "जहां है जैसी है" और "जो है जैसी है" तथा "जो भी है जैसी है" के आधार पर बेचा जा रहा है। (6) उपरोक्त अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत बयान या चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। (7) सरफेसी अधिनियम की धारा 13(8) के तहत नोटिस, और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के साथ सभी मामलों में जारी किया गया है, (8) बिक्री की विस्तृत शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com, www.pnb.bank.in** देखें।

सरफासी अधिनियम 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत बिक्री सूचना

प्रकाशन की तिथि : 08.11.2026 स्थानः दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक